९. विशेषण

संज्ञा या सर्वनाम के रूप, गुण, संख्या, मात्रा, परिमाण आदि की विशेषता प्रकट करने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं तथा जो शब्द विशेषणों की भी विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहा जाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्र पिछली कक्षाओं से विशेषण पढ़ते आ रहे हैं। इस प्रकार उन्हें विशेषण की पुनरावृत्ति कराएँ।
- छात्रों से विशेषण की परिभाषा बताने को कहें।
- पृष्ठ 58 पर दिए वाक्यों को पढ़ें तथा छात्रों से पूछें उनमें आए रंगीन शब्द क्या प्रकट कर रहे हैं।
- विशेष्य के बारे में समझाएँ। विशेषण और विशेष्य में अंतर करना बताते हुए विधेय विशेषण तथा प्रविशेषण भी समझाएँ।
- पृष्ठ 58-61 पर दिए विशेषण के भेदों को छात्रों से पढ़वाएँ और समझाएँ।
- आस-पास की वस्तुओं द्वारा भी विशेषण समझाया जा सकता है।
- अनिश्चित संख्यावाचक और अनिश्चित परिमाणवाचक के भेदों को समझाएँ।
- सार्वनामिक विशेषण समझाते हुए बताएँ कि वे सर्वनाम जो संज्ञा से पहले लगकर उनकी विशेषण बताते हैं, सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।
- सर्वनाम तथा सार्वनामिक विशेषण में अंतर करना समझाएँ। पृष्ठ 61 पर दिए वाक्यों द्वारा अंतर स्पष्ट करें।
- सुनिश्चित करें कि छात्र भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- छात्रों को विशेषणों की रचना करना सिखाएँ-समझाएँ। बताएँ संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा अव्यय शब्दों से विशेषणों की रचना की जाती है। पृष्ठ 61-64 पर दिए गए शब्दों को पढ़वाएँ। कुछ प्रचलित विशेषण भी पढ़वाएँ।
- पृष्ठ 64-65 पर दी गई विशेषणों की तुलनात्मक अवस्थाओं से अवगत कराएँ तथा शब्दों के अवस्था रूप बनाना बताएँ।
- कुछ शब्द बोलें और उनसे विशेषण बनवाएँ।
- प्रत्येक छात्र पर अपना ध्यान बनाए रखें यदि उन्हें कहीं कठिनाई लगे तो यथासंभव और सरलता से समझाएँ।